अध्याय 3: मराठा साम्राज्य का उदय

प्रश्न और क्रियाकलाप

प्रश्न 1. विश्लेषण करें कि किस प्रकार भूगोल विशेषकर पर्वत और समुद्र तट ने मराठा सैन्य रणनीति और राज्य-निर्माण को निर्धारित किया।

उत्तर:

- मराठा क्षेत्र में सह्याद्रि पर्वत और कठिन घाटियाँ थीं।
- इन पहाड़ी क्षेत्रों ने मराठों को छापामार युद्ध में सहायता दी।
- दुर्गों के कारण वे शक्तिशाली शत्रुओं से अपनी रक्षा कर सके।
- समुद्र तट ने मराठों को नौसेना विकसित करने का अवसर दिया।
- समुद्री व्यापार और तटीय सुरक्षा से मराठा राज्य मजबूत हुआ।
- इस प्रकार भूगोल ने मराठों की सैन्य नीति और राज्य-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न 2. कल्पना कीजिए कि आप विद्यार्थियों के लिए किसी मराठा नेता की संक्षिप्त जीवनी लिख रहे हैं। किसी एक व्यक्तित्व कान्होजी आंग्रे, बाजीराव प्रथम, महादजी शिंदे, अहिल्याबाई होलकर या ताराबाई का चयन कीजिए और उनकी प्रेरणादायक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए तीन-चार अनुच्छेद लिखिए। किसी एक चुनौती का वर्णन कीजिए जिस पर उन्होंने विजय प्राप्त की।

उत्तर:

अहिल्याबाई होलकर की संक्षिप्त जीवनी

- अहिल्याबाई होलकर मराठा इतिहास की एक महान और न्यायप्रिय शासिका थीं।
- वे मालवा क्षेत्र की शासिका थीं और अपने सरल जीवन, धार्मिक सहिष्णुता और लोककल्याण के लिए प्रसिद्ध हैं।
- उन्होंने अपने राज्य में सड़कों, घाटों, मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण करवाया।
- वे प्रजा की समस्याएँ स्वयं सुनती थीं और न्यायपूर्ण निर्णय देती थीं।
- उनके जीवन में सबसे बड़ी चुनौती उनके पति और पुत्र की मृत्यु थी।
- इसके बाद भी उन्होंने साहस नहीं छोड़ा और कुशलता से शासन किया।
- उनकी सबसे प्रेरणादायक विशेषताएँ साहस, न्यायप्रियता, सेवा-भाव और प्रशासनिक योग्यता थीं।

प्रश्न 3. यदि आपको आज किसी एक मराठा दुर्ग जैसे- रायगढ़, सिंधुदुर्ग, जिंजी या प्रतापगढ़ को देखने का अवसर मिले तो आप किसे चुनेंगे और क्यों? उसके इतिहास, वास्तुकला और सामरिक महत्व का अध्ययन कीजिए। कक्षा में अपने निष्कर्षों को डिजिटल या पोस्टर रूप में प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: मैं रायगढ़ दुर्ग देखना चाहूँगा।

कारण:
- रायगढ़ शिवाजी महाराज की राजधानी थी।
- यहीं उनका राज्याभिषेक हुआ था।
- यह दुर्ग ऊँची पहाड़ी पर स्थित है।

इतिहास:
- रायगढ़ मराठा साम्राज्य का प्रमुख केंद्र था।
- शिवाजी महाराज ने इसे अपनी राजधानी बनाया।

वास्तुकला:
- इसमें राजमहल, बाजार, द्वार और जल-संग्रह की व्यवस्था थी।
- दुर्ग की बनावट सुरक्षा को ध्यान में रखकर की गई थी।

सामरिक महत्व:
- ऊँचाई के कारण शत्रु के लिए इस पर आक्रमण करना कठिन था।
- यह मराठों की शक्ति और स्वतंत्रता का प्रतीक था।

प्रश्न 4. अध्याय में लिखा है कि अंग्रेजों ने भारत को मुगलों या किसी भी अन्य शक्ति से अधिक मराठों से छीना। आपके विचार में इसका क्या अर्थ है? अध्याय में दिए गए कौन-से प्रमाण इस विचार का समर्थन करते हैं?

उत्तर:
- इसका अर्थ है कि अंग्रेजों के आने के समय भारत में मराठे सबसे शक्तिशाली भारतीय शक्ति थे।
- मुगल साम्राज्य कमजोर हो चुका था।
- मराठों का प्रभाव उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत तक फैल चुका था।
- अंग्रेजों को भारत में सत्ता पाने के लिए मराठों से कई युद्ध लड़ने पड़े।
- इसलिए कहा जाता है कि अंग्रेजों ने भारत को मुख्य रूप से मराठों से छीना।

प्रश्न 5. तुलना कीजिए कि शिवाजी और उत्तरवर्ती मराठों ने लोगों के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया। विविधता के प्रति उनके दृष्टिकोण को दर्शाता है?

उत्तर:

शिवाजी का व्यवहार:
- शिवाजी सभी धर्मों का सम्मान करते थे।
- वे महिलाओं और धार्मिक स्थलों की रक्षा पर जोर देते थे।
- उन्होंने योग्य लोगों को पद दिए, चाहे वे किसी भी धर्म के हों।

उत्तरवर्ती मराठों का व्यवहार:
- बाद के मराठों ने भी कई क्षेत्रों में स्थानीय लोगों से सहयोग लिया।
- उन्होंने विभिन्न समुदायों के लोगों को प्रशासन और सेना में स्थान दिया।
- धार्मिक स्थलों और परंपराओं का सम्मान किया गया।

निष्कर्ष:
- शिवाजी और उत्तरवर्ती मराठों का दृष्टिकोण व्यावहारिक और सहिष्णु था।
- उन्होंने विविधता को शासन की शक्ति के रूप में अपनाया।

MUKUT Classes

प्रश्न 6. इस अध्याय में वर्णित है कि मराठों के लिए दुर्ग 'राज्य की आधारशिला' थे। वे इतने महत्वपूर्ण क्यों थे? उन्होंने मराठों को शक्तिशाली शत्रुओं के विरुद्ध खड़े रहने में किस प्रकार सहायता की?

उत्तर:

- दुर्ग मराठों की रक्षा व्यवस्था का मुख्य आधार थे।
- पहाड़ी दुर्गों से शत्रु की गतिविधियों पर नजर रखी जाती थी।
- इनमें सैनिक, हथियार और अनाज सुरक्षित रखे जाते थे।
- युद्ध के समय दुर्ग सुरक्षित शरण-स्थल बनते थे।
- दुर्गों की सहायता से मराठे मुगलों जैसे शक्तिशाली शत्रुओं का सामना कर सके।
- इसलिए दुर्ग मराठा राज्य की आधारशिला माने जाते थे।

प्रश्न 7. आपको मराठा सिक्कों का मुख्य अभिकल्पक डिजाइनर नियुक्त किया गया है। एक ऐसे सिक्के का रूपांकन कीजिए, जो मराठा उपलब्धियों और मूल्यों का प्रतिनिधित्व करे। अपने द्वारा चुने गए प्रतीकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: मैं एक गोल सिक्का बनाऊँगा जिसमें ये प्रतीक होंगे:

- किला: मराठा शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक।
- तलवार: साहस और वीरता का प्रतीक।
- जहाज: मराठा नौसेना और समुद्री शक्ति का प्रतीक।
- भगवा ध्वज: स्वतंत्रता और स्वाभिमान का प्रतीक।
- अनाज की बालियाँ: प्रजा की समृद्धि और कल्याण का प्रतीक।

संदेश: यह सिक्का मराठों की वीरता, स्वतंत्रता, संगठन, समुद्री शक्ति और लोककल्याण को दर्शाएगा।

प्रश्न 8. मराठा काल की इस भूमिका अध्ययन करने के पश्चात आपके विचार में भारतीय इतिहास में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान क्या था? अध्याय से उदाहरण लेकर अपने विचार का समर्थन करते हुए एक अनुच्छेद लिखिए। अपने विचारों को सहपाठियों के साथ साझा कर उन पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: मेरे विचार में मराठों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान भारत में स्वराज्य और स्वतंत्रता की भावना को मजबूत करना था। शिवाजी महाराज ने छोटे से क्षेत्र से शुरुआत कर एक संगठित राज्य बनाया। मराठों ने दुर्गों, छापामार युद्ध, मजबूत प्रशासन और जनता के सहयोग से बड़े-बड़े साम्राज्यों का सामना किया। बाद में मराठों का प्रभाव भारत के बड़े भागों तक फैल गया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि साहस, संगठन और जनता के सहयोग से शक्तिशाली शत्रुओं का सामना किया जा सकता है।

MUKUT CLASSES

To get notes visit our website

mukutclasses.in